साहित्य अकादेमी

lkfgR; vdkneh e jktHkk"kk lIrkg dk 'kHkkjHk

विदेशों से दीक्षित थे हिंदी के पक्षधर – राजशेखर व्यास

नई दिल्ली 14 सितंबर 2018। साहित्य अकादेमी के रवींद्र भवन स्थित मुख्य कार्यालय में आज राजभाषा सप्ताह का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रख्यात लेखक, संपादक, निर्माता–निदेशक तथा दूरदर्शन महानिदेशालय के अतिरिक्त महानिदेशक पद पर कार्यत राजशेखर व्यास थे। उन्होंने साहित्य अकादेमी के कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि हिंदी को राष्ट्रभाषा का दर्जा दिलाने वाले सभी महत्त्वपूर्ण राजनेता, विदेशों से पढ़े लिखे थे लेकिन वे राष्ट्रभाषा का महत्त्व जानते और समझते थे। इसीलिए उन्होंने हिंदी को राजभाषा बनाने के लिए संघर्ष किया। आगे उन्होंने कहा कि हिंदी आत्मा की आवाज और दुख तथा करुणा की भाषा है। इसको हमें केवल राजभाषा तक सीमित न रखकर व्यापक उपयोग में लाना होगा तभी उसे उसका उचित सम्मान मिल सकेगा।

कार्यक्रम के आरंभ में साहित्य अकादेमी के लाइब्रेरियन सुफियान अहमद ने मुख्य अतिथि का स्वागत पुस्तक भेंट करके किया तथा अकादेमी के उपसचिव बाबूराजन ने अतिथि को अंगवस्त्रम् प्रदान किया। कार्यक्रम का संचालन साहित्य अकादेमी की पत्रिका समकालीन भारतीय साहित्य के अतिथि संपादक ब्रजेंद्र त्रिपाठी ने किया। भारत सरकार, संस्कृति मंत्रालय के सचिव श्री अरुण गोयल की हिंदी दिवस से संबंधित अपील का पाठ और धन्यवाद ज्ञापन सहायक संपादक अजय कुमार शर्मा ने किया।

कार्यक्रम में साहित्य अकादेमी के कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

राजभाषा सप्ताह के दौरान आगामी दिनों में यूनिकोड टंकण प्रतियोगिता, श्रुतलेख प्रतियोगिता, अनुवाद प्रतियोगिता, निबंध प्रतियोगिता, आशुभाषण प्रतियोगिता तथा हिंदी कार्यशाला का भी आयोजन किया जा रहा है। राजभाषा सप्ताह का समापन एवं पुरस्कार वितरण 24 सितंबर 2018 को वरिष्ठ कवि एवं आलोचक प्रयाग शुक्ल की उपस्थिति में होगा।